भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

26.03.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 4162 का उत्तर

दिल्ली के रेलवे स्टेशनों हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना

4162. श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दिल्ली में कितने रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशनों के रूप में विकसित किया जा रहा है;

(ख) उक्त योजना के अंतर्गत चिह्नित स्टेशनों के आधुनिकीकरण का कार्य कब तक पूरा होने की संभावना है; और

(ग) सरकार द्वारा उक्त योजना पर कितनी निधि व्यय की जा रही है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): रेल मंत्रालय ने रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित किए जाने के लिए 1337 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 13 स्टेशन दिल्ली राज्य में स्थित हैं। दिल्ली राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित रेलवे स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	चिह्नित रेलवे स्टेशनों का नाम
दिल्ली	13	आदर्श नगर दिल्ली, आनंद विहार, बिजवासन, दिल्ली, दिल्ली कैंट, दिल्ली सराय रोहिल्ला, दिल्ली शाहदरा, हजरत निज़ामुद्दीन, नरेला, नई दिल्ली, सब्जी मण्डी, सफदरजंग, तिलक ब्रिज

दिल्ली राज्य में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास संबंधी कार्य तेज गति से किए जा रहे हैं। उदाहरण के लिए,

- सफदरजंग स्टेशन पर, निम्नलिखित कार्यों का निष्पादन शुरू किया गया है:-
    - सिगनल एवं दूरसंचार भवन का निर्माण पूरा हो गया है और इसे चालू कर दिया गया है।
    - रेलवे स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य पूरे हो चुके हैं और फिनिशिंग कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
    - परिचालनिक कार्यालय भवन के संरचनात्मक कार्य शुरू हो गए हैं।
    - एयर कॉनकोर्स का नींव कार्य पूरा हो चुका है तथा स्तंभों के निर्माण और गर्डरों के लांच का कार्य शुरू किया गया है।
    - प्रस्थान प्लाजा कैनोपी का कार्य पूरा हो चुका है तथा परिचलन पहुंच-मार्ग का सुधार कार्य शुरू कर दिया गया है।
    - मलशोधन संयंत्र का निर्माण पूरा हो गया है।
- बिजवासन स्टेशन पर निम्नलिखित कार्यों का निष्पादन कार्य शुरू किए गए हैं।

- रेलवे स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य पूरा हो गया है, राजगीरी कार्य और परिष्करण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
- एयर कॉनकोर्स के निर्माण के लिए नींव, स्तंभ, गर्डरों के लांच और डेक स्लैब की ढलाई का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- स्काईवॉक और प्रतिधारण दीवार के निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- नये प्लेटफार्म शेल्टरों का निर्माण कार्य शुरू किया गया है।
- विद्युत उप-स्टेशन का संरचनात्मक कार्य पूरा हो चुका है तथा तार बिछाने के लिए खंदक खुदाई का कार्य शुरू हो चुका है।
- मलशोधन संयंत्र के निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है।
- सबवे के परिष्करण कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- तिलक ब्रिज रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म संख्या 4 एवं 5 पर प्लेटफार्म की सतह में सुधार, पहुंच-मार्ग और अस्थायी बुकिंग विंडो के निर्माण-कार्य पूरे हो चुके हैं तथा नए स्टेशन भवन का निर्माण कार्य शुरू किया गया है।
- सब्जी मंडी स्टेशन पर, धुलनीय एप्रन और सवारी डिब्बों में पानी भरने की सुविधा के साथ नए प्लेटफार्मों का निर्माण, प्लेटफ़ॉर्म सतह में सुधार, प्रवेश सड़क को चौड़ा करना और यात्री आरक्षण प्रणाली को नवीनीकृत भवन में स्थानांतरित करने के कार्य पूरे किए जा चुके हैं और नए स्टेशन भवन के निर्माण, शौचालय ब्लॉक के परिष्करण कार्य आदि का कार्य शुरू किया गया है।

- नरेला स्टेशन पर प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, प्लेटफॉर्म संख्या 2 को चौड़ा करना, अतिरिक्त प्लेटफॉर्म शेल्टर की व्यवस्था, बुकिंग खिड़की को

स्थानांतरित करने, शौचालय ब्लॉक के परिष्करण का कार्य आदि शुरू किए गए हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत् आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है। इस योजना में प्रत्येक रेलवे स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए रेलवे स्टेशनों पर स्टेशन तक पहुंच, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, स्वच्छता, नि:शुल्क, वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामोद्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता एवं व्यवहार्यता के अनुसार स्टेशन भवन में सुधार, स्टेशन का शहर के दोनों छोरों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडॉल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

सामान्यत: अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण योजना शीर्ष-53 ग्राहक सुविधाएं के अंतर्गत किया जाता है। आवंटन का ब्यौरा योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है, न कि कार्य-वार अथवा स्टेशन-वार या राज्य-वार। दिल्ली राज्य उत्तर रेलवे के अंतर्गत आता है। इस क्षेत्र के लिए, वित्त वर्ष 2024-25 में योजना शीर्षक-53 के अंतर्गत 1,531 करोड़ रुपए (संशोधित अनुमान) का आवंटन

किया गया है तथा 2024-25 (फरवरी 2025 तक) के दौरान 1,339 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा अंतर्ग्रस्त होती है और इसके लिए दमकल विभाग मंजूरी, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं करना (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघनों, को स्थानांतरित करना यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ और उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राऊनफील्ड चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं। अत:, इस समय कोई समय-सीमा इंगित नहीं की जा सकती है।

****